कर्म है बुरे बुरे और तुम स्वर्ग जाने की बात करते हो लिरिक्स

कर्म है बुरे बुरे और तुम,
स्वर्ग जाने की बात करते हो,
बोये पेड़ बबूल के और तुम,
आम खाने की बात करते हो।bd।

तर्ज – आँख है भरी भरी।

जलाया घर किसी का जो,
जलेगा घर तुम्हारा भी,
दु :खाया दिल किसी का जो,
दुखेगा दिल तुम्हारा भी,
देकर दु:ख औरों को और तुम,
सुख पाने की बात करते हो,
कर्म हैं बुरे बुरे और तुम,
स्वर्ग जाने की बात करते हो।bd।

जो औरों के लिये सोचे,
बुरा खुद का बुरा होगा,
जो औरों को गिरायेगा,
वो खुद पहले गिरा होगा,
मन में छल भरा-भरा और तुम,
दर्श पाने की बात करते हो,
कर्म हैं बुरे बुरे और तुम,
स्वर्ग जाने की बात करते हो।bd।

बनाकर वेश साधु का,
कमंडल हाथ में रखकर,
'सजन' हरि गुण नहीं गाया,
कभी विषयो में यूं फसकर,
वासना भरी भरी और तुम,
मुक्ति पाने की बात करते हो,
कर्म हैं बुरे बुरे और तुम,
स्वर्ग जाने की बात करते हो।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

करम परिणाम है न्यारा,
करम न छोड़ता पीछा,
करम से हर कोई हारा,
कर्म फल भोगे बिना और तुम,
तैर जाने की बात करते हो,
कर्म हैं बुरे बुरे और तुम,
स्वर्ग जाने की बात करते हो।bd।

कर्म है बुरे बुरे और तुम,
स्वर्ग जाने की बात करते हो,
बोये पेड़ बबूल के और तुम,
आम खाने की बात करते हो।bd।

लेखक / प्रेषक – डॉ एस. एस. सोलंकी।
9111337188

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com